अनुक्रमणिका

घोषणा पत्र

आभार पृष्ठ संख्या

भूमिका

शोध विषय का परिचय: 01 से 12

1. प्रस्तावना
2. साहित्य पुनरावलोकन
3. अध्ययन के उद्देश्य
4. परिकल्पना
5. अध्ययन का कार्यकाल
6. अध्ययन क्षेत्र
7. शोध प्रविधि
8. अध्ययन का महत्व

प्रथम अध्याय : आदिवासी महिलाओं की राजनीतिक स्थिति 13 से 40

1.1 आदिवासी क्षेत्र पंचायती राज कानून अधिनियम

1.2 पंचायती राज प्रणाली और आदिवासी महिलाएँ

1.3 आदिवासी महिलाओं का सामाजिक दर्जा और राजनीति

1.4 ग्राम पंचायत पंचायत समिति एवं जिला परिषद की संरचना एवं आदिवासी महिलाओं का प्रतीनीधित्व

द्वितीय अध्याय : आदिवासी महिलाओं की राजनीतिक सहभागीता 41 से 60

(विशेष संदर्भ : सेलू और वर्धा तहसील, महाराष्ट्र)

2.1 केस स्टडी (सुरगांव त. सेलू)

2.2 केस स्टडी (कानापुर त. सेलू)

2.3 केस स्टडी (तिगांव त. वर्धा)

2.4 केस स्टडी (वडगांव त. सेलू)

2.5 केस स्टडी (नालवाडी त. वर्धा)

तृतीय अध्याय : राजनीतिक क्षेत्र आनेवाली चुनौतिया एवं संघर्ष 61 से 82

3.1 शिक्षा और आदिवासी महिलाएं

3.2 आदिवासी महिलाओं की आर्थिक स्थिति

3.3 राजनीतिक एवं पारिवारिक भूमिकाओं में संघर्ष

3.4 राजनीतिक हाशियाकरण की स्थितियों

चतुर्थ अध्यायः आदिवासी महिलाओं द्वारा किए गये बेहतरीन राजनीतिक एवं सामाजिक प्रयास 83 से 96

4.1 आदिवासी महिलाओं द्वारा अमल कि गई योजनाएं

4.2 गांव की स्थितियों बदलाव

4.3 ठक्कर बाप्पा फण्ड

पंचम अध्याय : 97 से 100

निष्कर्ष

सामान्य निष्कर्ष

सुझाव

संदर्भ ग्रंथ सूची 101 से 104

परिशिष्ट : 105 से 112

प्रश्नावली

छायाचित्र

-: आभार :-

मैं उन सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहूँगा जिन्होंने मेरे लघु-शोध कार्य को पुरा करने में मेरी सहायत की वैसे इन लोगों ने मेरी जितनी सहायता की उसके बदले में धन्यवाद या आभार व्यक्त करना मात्र एक औपचारिकता ही होगी।

सबसे पहले मैं अपने विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. शंभु गुप्त सर के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे इस विषय पर कार्य करने की अनुमति प्रदान की। इसके बाद मैं अपने शोध निर्देशक डॉ. अवन्तिका शुक्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग के हृदय से आभार व्यक्त करूँगा जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया हैं। इनके सहयोग के बिना मेरा शोध कार्य संभव नहीं हो पाता।

मैं अपने विभाग में कार्यरत डॉ. सुप्रिया पाठक, असिस्टेंट प्रोफेसर, स्त्री अध्ययन विभाग और शुभांगी मॅडम, श्री अमोल भैया का बहूत आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से मेरे शोध कार्य में सहयोग प्रदान किया।

मै अपने परिवार व दोस्तों अमोल कांबळे, आशिष थुल, खुशाल कांबळे, जितु सोनकर, अनिल बहूजन, सागर गजभिये, आकाश खोब्रागडे, संध्या कांबळे और साथ ही अन्य उन सभी साथियों के प्रति भी आभारी हूँ जिन्होंने मेरे इस शोध कार्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आरम्भ से लेकर अंत तक मुझे हर संभव सहयोग दिया।

- अतुल कांबळे